



भारत का राजपत्र The Gazette of India

CB
8/4/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 12, 1986/माघ 23, 1907

No. 6]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 12, 1986/MAGHA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय सहयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जेन रेंज : न.ग.पुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधिनियम

मागपुर, 14 जनवरी, 1986

अन्तरण के लिए तय पय गय प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में अस्तित्व रूप से कथित नहीं किय गय हैं :

(क) अन्तरण से हुई आय की बबत, उक्त अधिनियम के अर्जन कर
देने के अन्तरण के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा अस्तित्वों की, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजन पर अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किय गय या
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :-

अन्तरण

अन्तरितों

श्री विनयक रव शिवराज जोशी,
और अन्य, न.ग.पुर।

जगन्त थ जिवराज करमोरे
एस.बी.आय. बरपाट (म.प्र.)

निर्देश सं. आय.ए.सी./अवकी/43/24/85-86:— यतः मुझे एम.सी.
जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है, की धारा 269-ग के अर्जन
सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
प्लट नं. 13 और 14 है, जो मकान नं. 13 और 14 गुरुद्वारा
मेन रोड रमटेक में स्थित है (और उसके उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्विकर्ता अधिकारों के कार्यालय रमटेक (इकुमेंट
सं. 2316) में भारतीय राजस्विकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16)
के अर्जन 20-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरितों का गई है और मुझे यह विषय स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्ना प्रतिकृत से अधिक है
और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करत हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पक्ष लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें अशुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ 'अर्थ' होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 13 और 14, मकान नं. 13 और 14 जो गरुडखाम्ब मेन रोड रामटेक में स्थित हैं।

तारीख: 14-1-1986

मोहर :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX : ACQUISITION RANGE : NAGPUR

NOTICES UNDER SECTION 269-D(I) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 of 1961)

Nagpur, the 14th January 1986

No. IAC/ACQ/43/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 13 & 14, house No. 13 & 14, Garudkhamb, Main Road, Ramtek. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Ramtek on 20-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearance consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object if :

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

Transferor

Shri Vinayak Sadashiorao Joshi,
& others, Nagpur.

Transferee

Jagannath Jiwatuji Karemor,
S.B.I., Barghat, (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 13 & 14 house No. 13 & 14, Garud Khamb, Main Road, Ramtek.

Dated : 14-1-86

Seal

निर्देश नं. आयसी/अकई/4/24/85-86:—यन: मझे एम.सी. जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इनके पञ्चवत् "उक्त अधिनियम" कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 161-1/2 हिस्सा है, जो प्लॉट नं. 1 खम्बरा नं. 76 भगवदर से अउट घरमपेछ, नगपुर में स्थित है (और उसके उपरबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नगपुर (डकुमेंट सं. 2815) में भार. रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके, दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत

से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जवन लिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई आय का ब बत, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक के ब बत में कमी करने या उससे ब बत में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किमं आय या किमं धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारत में आयकर अधिनियम, 1911 (1911 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन से अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

अन्तरक

अन्तरित

वे. भागवत धर हस्तेस्टमेंट एंड कंस्ट्रक्शन मे. फतेहपुरी हस्तेस्ट प्रा. लि. प-36 इन्डिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता 1

को यह सूचन. अ.र. करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करत ह।

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या, तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचन. का त.म.ल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब बत में सम्पत्त होता है, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमं व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचन. के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्ट करण: इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब बत अर्थ हाना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

1/2 हिस्सा प्लट नं. 1 खतर नं. 76 मा.मा. लेन्ड्री भगवत धर से-अ उट धरमपथ, नगपुर, मक नं. 161 क्षेत्रफल 30:08 स्क्वियर फिट।

तारीख: 14-1-1986

मोहर :

No. IAC./ACQ/42/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing house No. 161, 1/2 undivided interest in plot No. 1 Kh. No. 76 Mouza Lendhri Bhagwagar layout, Dharampeth Nagpur area of 30208 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 27-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object if :

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely.—

TRANSFEROR

M/s. Bhagwagar Investment & Construction Co. Hansapuri, Nagpur.

TRANSFEREE

M/s. Fatehpuria Estate Pvt. Ltd., P-36, India Exchange Place, Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided interest in plot No. 1, Kh. No. 76, Mauza Lendri, Bhagwagar layout, Dharampeth, Nagpur alongwith Municipal House No. 161, Standing thereon admeasuring an area of 30208 Sq. ft.

Dated : 14-1-1986.

Seal

निर्दिष्ट म. आय. ए. सं./अ.सं./40/24/15-16—यह मुझे एम. सी. जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिनमें इसने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म. मकान नं. 657 है, जो बड नं. 60, प्लॉट नं. 4, विजयनगर, नागपुर में स्थित है (और उसके उपाखण्ड अनुपूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकांश के कार्यालय नागपुर (बाकुनेट सं. 268) में भारत में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधिन 29-5-1915 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है,

(क) अन्तरण से हुई आय को बायत, उक्त अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या,

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए—

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती राज सुरेन्द्रकुमार खन्ना, चैतनीस ले-आउट, छावनी, नागपुर
(अन्तरक)

श्रीमती मुनिरुसा इमरान द्वारा एस. झेड. हसन, मिर्जा हाउस
सदर नागपुर।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्य-वाही करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समकक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषणाधारी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अगुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूर्व:

मकान सं. 657, प्लॉट नं. 4, प्लॉट क्षेत्रफल 3300 स्केवअर फिट मकान बंधा हुआ 1100 स्केवअर फिट बार्ड नं. 60, विजयनगर, नागपुर।

तारीख:—14-1-1986

मोहर:

No. IAC/ACQ/40/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 657, Plot No. 4 Ward No. 60, Plot area 3300 Sq.ft. construction 1100 Sq. ft. Vijayanagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 29-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely:—

TRANSFEROR

Smt. Raj Surendrakumar Khanna
Chitanis Layout, Chhaoni, Nagpur.

TRANSFEE

Smt. Munirussa w/o Izharul
c/o. S. Z. Hasan Mirza house.
Sadar, Nagpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 657, Plot No. 4, Plot area 3300 Sq.ft., Construction 1100 Sq. ft. Ward No. 60, Vijaynagar, Nagpur.

Date : 14-1-86

Seal

निर्देश नं. आय. ए. सी./अन्वरी./41/24/85-86:—यत्: मुझे एम. सी. जोशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है, की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 1/2 हिस्सा प्लॉट नं. 1 है, जो खसरा नं. 76, मकान नं. 161, 30208 स्क्व. फिट भगवाघर लेआउट, धरमपेथ नागपुर में स्थित है (और उसके उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से नागित है), रजिस्ट्रार-करी अधिकांश के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट नं. 1942) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन 27-5-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरितों को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे दिश आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मै. भगवाघर इन्वेस्टमेंट एण्ड कंस्ट्रक्शन कं. द्वापुरी नागपुर।
(अन्तरक)

मै. फतेहपुरीया सन्स प्रा. लि. पी-36 इंडिया एक्सचेंज प्लेस कलकत्ता-1।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 1551 GI/85—2

30 दिन की अवधि, जो या अवधि बाद, में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित से किये जा सकते।

सन्दर्भकरण :—इसमें धातुकुल शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुधारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्लॉट नं. 1 खसरा नं. 76 भगवाघर लेआउट धरमपेथ नागपुर मकान नं. 161, क्षेत्रफल 30208 स्क्व. फिट।

एम. सी. जोशी, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज : नागपुर

तारीख :—14-1-1986

मोहुर :

No. IAC./ACQ/41/24/85-86.—Whereas I, M. C. Joshi being the Competent Authority under Section 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing $\frac{1}{2}$ undivided interest Plot No. 1 Kh. No. 76 Bhagwagar layout, Dharampeth House No. 161 admeasuring an area of 30208 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 27-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

TRANSFEROR

M/s. Bhagwagar Investment &
Construction Co. Hansapuri,
Nagpur.

TRANSFeree

M/s. Fatehpuria Sons Pvt. Ltd., P-36
India Exchange Place, Calcutta-1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

‡ undivided interest in plot No. 1 Kh. No. 76 Mouza Lendhra Bhagwagar Layout Dharampeth, Nagpur alongwith Municipal house No. 161 standing thereon admeasuring an area of 30208 Sq. ft.

M. C. JOSHI, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur.

Date : 14-1-1986

Seal